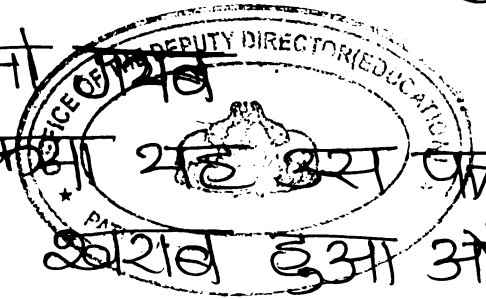


ये आँसु कब तक बहेंगे ?

मात्यु एक अमीर आदमी हैं। अमीर बन जाने से पहले वे एक बेचारा गरीब आदमी का दूसरी पुत्र था। उस आदमी का नाम राजु था। राजु बहुत मेहनत से अपने दो बच्चों को पढ़ाया। राजु का पहला पुत्र पढ़ाई से बहुत अच्छा था। दूसरा तो उतना अच्छा नहीं था। राजु दूसरा लड़का मात्यु से बहुत प्यार करता था। मात्यु को पठाने के लिए राजु पहला पुत्र सोनी का पढ़ाई शोक दिया और उसे काम पर जाने को कहा। सोनी काम पर गया। राजु अपने शरै पैसा देकर मात्यु को पढ़ाया पर मात्यु पठना नहीं पसंद किया। तब राजु अपने शरै पैसा देकर उसे विदेश भेज दिया। विदेश जाकर मात्यु अमीर बन गया और वे एक सुसी नामक लड़की को शादी किया उसके बाद मात्यु अपने घर से बहुत दूर एक नदी तट से एक बड़ा सा घर बना दिया। और दो व्यवसाय शाला भी खुला।

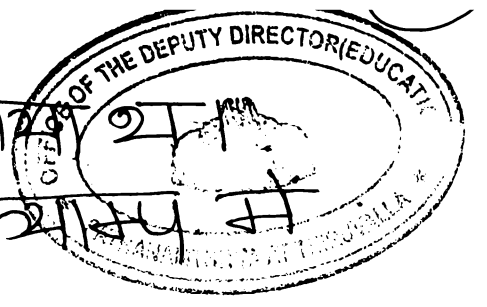


बराब कमेंट और नहीं तो
हो जायेगे।" मात्यु बोला, "क्या यह इस पत्र
से लिखा था? अगर पानी बराब हुआ और
नहीं सरगाया तो हमें कुछ नहीं हो जाये
गा। सरकार तो हमेशा इस तरह के पत्र
भेजते हैं पर हमें इसे उनके अनुसार
काम करने का आवश्यकता नहीं क्यों
कि हम अमीर हैं।" सुनते ही सुसी
बोली, "हाँ हम तो अमीर हैं अगर पानी नहीं
तो हम साने खरीदेंगे। अगर खाना नहीं तो
हम खाना खरीदेंगे।" मात्यु यह सुनकर उसके
माया। सुसी कहाँ उसे जी, कल तो इसका
शादी हुआ चला, हम शहर से चलते हैं और
इसके लिए वस्त्र और आभरणें लेते हैं।
उन माया शहर गया और सुसी और रणी
बहुत सारे वडा ~~हम~~ मुक्तय वाला आभरणें
खरीदिया।

अपना सुवह आने के पहले
सुसी नींद से उठ गया सुवह चार बजे को
धर शादी के लिए घर सजाने के लिए सबको
आह्वानियाँ आयेंगी। जब सुसी उठा तो घर जगह
दुप सही थी। नहीं सरकार पानी सब जगह
कैला रहा है। घर तो पानी से भर रहा है।

सुसी शोर से शैया तब मात्यु आ
 उड़ा। पानी देखकर उन लोगों डर गया
 उस समय उन लोगों अपने घर के सामने
 एक शैशनी देखा। मात्यु पानी से धिरे-धिरे
 चल कर देखासा आकर उनके पास आया।
 घर के बाहर मात्यु का कमर ~~ककका~~ ऊपर
 तक पानी था। वह शैशनी एक भाव से
 आरही थी। भाव वालों को कहा "मात्यु ~~आ~~ जी
 आप जल्दी आओ शैशु जगह पानी के
 अंदर डूबा है। मात्यु उन लोगों के
 सात अपनी बोली और सुसी को लेकर
 चल गया। शैशु में मात्यु देखा कि उसका
 व्यवसाय शाला तो पूरे तरह से टुप गया
 है। मात्यु का सारा पैसा पानी लगेगा,
 मात्यु और सुसी रोने लगा। अपने शाही
 का दिन यह डाल डालका शणी शैजा भी
 नहीं थी शणी उस देव में बेहोश होगयी।

मात्यु और परिवार ~~क्याक्य~~
 एक क्याक्य में पहुँच गयी। मात्यु को
 आँखों नदीयों के तरह भ्रमण और आँसु
 शक नहीं पाई था। अमीर मात्यु अब



कने भाई से भी गरीब कन्या थी
शुबह डोगाया तब तो क्या मय से

माथु एक परिचित आवाज सुना .

वह आवाज सुनकर माथु उस आवाज
का पीछे चलगाया तो देखा वह उसका
भाई सोनी था। माथु को देखकर
सोनी उसके तरफ दौड़ पडा और पास

आकर माथु को हाथ में पकडा .

माथु रोने लगा और उस समय .

सोनी कडा "माथु मुझे से अपनी एक

दोस्त ने कहा कि तुम यहाँ है और तेरा

घर वह गया " माथु हाँ बोला "सोनी

कहा "मे तुझे और परिवार को लेने

आया हूँ तुम यहाँ इस झीड़ में मत राहो .

तुम सबको अच्छा खाना भी नही

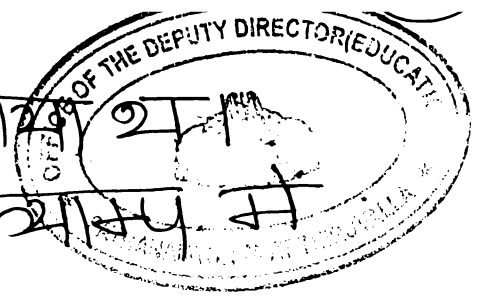
सिलेगा मुझे तो तुम लोगों का बहुत

चिन्ता चिन्ता हो रहा है। माथु सोनी .

का पैरों से पकडा आर कहा "मुझे

माफ करना भैया" सोनी उसे उडालिया

और कहा "आउ तुम तो मेरा चोरे भायी है"



पने भाई से भी गरीब कन्या थी।
शुबह डोगया तब तो क्या मैं

माथु एक परिचित आवाज सुना।

वह आवाज सुनकर माथु उस आवाज
का पीछे चलाया तो देखा वह उसका
भाई सोनी था। माथु को देखकर
सोनी उसके तरफ दौड़ पडा और पास

आकर माथु को हाथ में पकडा।

माथु रोने लगा और उस समय

सोनी कहा "माथु मुझे से अपनी एक

दोस्त ने कहा कि तुम यहाँ है और तेरा

घर बह गया" माथु हाँ बोला "सोनी

कहा मैं तुझे और परिवार को लेने

आया हूँ तुम यहाँ इस झीड़ में मत राहो।

तुम सबको अच्छा खाना भी नहीं

मिलेगा मुझे तो तुम लोगों का बहुत

चिन्ता चिन्ता हो रहा है। माथु सोनी

का पैरों में पकडा आर कहा "मुझे

साफ करना भैया" सोनी उसे उठा लिया

और कहा "आउ तुम तो मेरा दोस्त आसी है"

मातु और परिवार. सोनीक घर पहुँच गया.
तब सोनी कहा इस बाँद से हमारा
सब कुछ गया पर हमारा प्यार वापस
आया। शुनकर मातु आँसु भरे आँसुओं
से हाँसा और कब्ब प्रकृती यह क्या
बुरा काम किया है, मेरा तो सब कुछ
गया। सोनी प्यार से कहा "प्रकृती नहीं
हम बुरा काम कर रहे हैं। तुमारे जैसे
व्यवसायीयों अमीर बनजाने कल्पित
प्रकृती को सलिन बना दिया
नदीयों को पर्वतों को जमीन को सलिन
कर दिया। प्रकृती दूखी है यह जो पानी
इस तरह बाँद बनाया है वह प्रकृती का
आँसु है।" तब मातु पुच्छा "ये आँसु
कब तक बढ़ेंगी" ~~शुनकर~~ यह शुनकर
सोनी इस दिया और कहा "ये आँसु
शेख जायेंगी जब मानव का स्वार्थता यत्न
जायेंगे और मानव प्रकृती का संरक्षण
करेंगी। जब तक यह सलिन करण
रहेगा हमारा प्रकृती माता की आँसु
तब तक नहीं शेकेगा। वह आँसु बहने ली
रहेगा।"